स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण

जिला हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण
हमीरपुर

सौजन्यः

उपायुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, हमीरपुर (हि.प्र.)

हमारा स्वास्थ्य हमारे हाथ :-

गंदगी से फैलती है बीमारियां। लोग खुले में शौच जाने को न तो गलत मानते हैं और न ही हानिकारक। अपने आस-पास की सफाई पर लोग ध्यान नहीं देते, ज्यादातर लोग खुले में शौच करते हैं। कूड़ा-कचरा सड़क पर फैला रहता है, एवं गन्दे पानी का जमाव रहता है। आमतौर पर होने वाली बीमारियों का अच्छा खासा प्रतिशत मात्र इन्हीं कारणों से होता है।

खुले में शौच करने से बीमारियां तो होती ही हैं साथ ही साथ महिलाओं को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ता है। जो लोग समझदार हैं वह वृद्धों व बच्चों की सहूलियत तथा महिलाओं की लज्जा व मर्यादा को बनाए रखने की चाह को लेकर घर पर ही शौचालय का निर्माण करा रहे हैं। ऐसा करने पर वह गर्व भी महसूस करते हैं। ऐसे सभी लोग घर के ज़िम्मेदार व निर्णायक पुरुष की भूमिका बखुबी निभाने के लिए प्रशंसा व तारीफ के पात्र हैं।

आम आदमी को ये समझने की जरूरत है कि वे अपने घर की स्वच्छता के साथ-साथ घर के बाहर की स्वच्छता के प्रति भी जागरूक हो। आज इस बात पर बल देने की जरूरत है कि बिना पूरे क्षेत्र की स्वच्छता के बीमारियों से छुटकारा नहीं पाया जा सकता। स्वच्छता के प्रति सही दृष्टि कोण व नागरिक चेतना की कमी तथा जन साधारण की इस ओर उदासीनता के कारण हमारे गांव, गलियां, सड़कें और नदी-नाले, कूड़े और गन्दगी से भरे नज़र आते हैं। पर्यावरण अस्वच्छ है और बीमारियों की भरमार है। इसलिए आम लोगों की स्वच्छता के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्यों को लेकर सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें हमीरपुर ज़िला को भी शामिल किया गया है। इस अभियान को लोगों की सहभागिता से चलाया जा रहा है ताकि अभियान के उद्देश्यों की सफलता पूर्वक पूर्ति हो सके।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के उद्देश्य हैं:-

आम व्यक्तियों के जीवन स्तर में बदलाव लाकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना। सही जानकारी के साथ ही उसका पालन करना।

- लोगों में शौचालय की जरूरत के बारे में जागरूकता और उसके निर्माण में सहयोग।
- गंदगी से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम।
- स्कूलों और अन्य शिक्षा संस्थानों में जाकर बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्त्व को समझाना और सफाई से रहने को प्राथमिकता देना।
- सस्ते और उपयुक्त शौचालय निर्माण की जानकारी देना और शौचालय निर्माण व इस्तेतमाल से तेज़ी लाना।

स्वच्छ पेयजल व्यवस्था :-

⌘ लोगों को समझाना की साफ दिखने वाला पानी सही मायने में साफ है यह जरूरी

⌘ पेयजल का स्वच्छ दिखने से अधिक स्वास्थ्यकर होने पर जोर देना।

⌘ पेयजल को साफ बर्तन में ढक कर रखना।

⌘ लोगों को जल भरने, जल को ले जाने और रखने में होने वाली त्रुटियों के

⌘ बारे में बताना और सही तरीके अपनाने को प्रेरित करना।

⌘ पेयजल स्रोत से घर तक ढक कर लाना।

⌘ पेयजल निकालते समय डंडीदार लोटे का इस्तेमाल करना एवं उंगलियां ना डूबोना।

⌘ पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी और उसकी रोकथाम के बारे में बताना।

साफ - सफाई व्यवस्था :

लोगों को साबुन से हाथ धोने की उपयोगिता का महत्व समझाना।

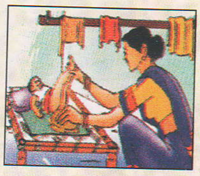

- **छोटे बच्चों के मल-मूत्र से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी देना एवं मल का ठीक से निपटान सुनिश्चित कराना।**
- **शौच के बाद और खाने से पहले साबुन से हाथ धोने की आवश्यकता को समझाना।**
- **सुनिश्चित करना की उनका व्यवहार इस संदर्भ में बदले और वो संपूर्ण स्वच्छता को अपनायें।**

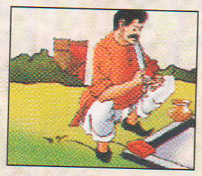

शौचालय निर्माण में आप क्या कर सकते हैं?

प्रत्येक ग्रामवासी को शौचालय निर्माण के लिए प्रेरित करना। शौचालय निर्माण की जानकारी देना, कहां इसका सामान मिल सकता है और कम से कम लागत में कैसे बनवाया जा सकता है, के बारे में बताना।

कैसे बने शौचालय ?

शौचालय निर्माण के आसान व सस्ते मॉडल

सीधा गड्ढा वाटर सील शौचालय

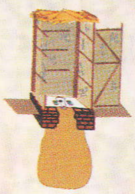

ऑफ्सेट गड्ढेवाला शौचालय

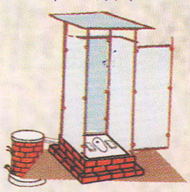

दो गढ्ढेवाला वाटर सील शौचालय

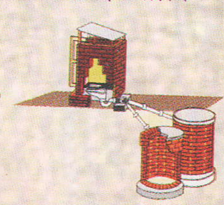

शौचालय निर्माण के और भी कई मॉडल हैं जिनकी जानकारी आपके ब्लॉक व पंचायत में कार्य कर रहे ग्राम प्रेरकों के पास होगी। आप उनसे संपर्क कर, सही और पूरी जानकारी प्राप्त करें व अपने गांव के अन्य सभी व्यक्तियों को भी

घर में शौचालय क्यों जरूरी है?

- ✓ इससे बीमारियां फैलने पर रोक लगती है।
- ✓ महिलाओं और बच्चियों के लिए शौचालय बहुत सुविधाजनक है। उन्हें अंधेरे का इन्तजार नहीं करना पड़ता या झाड़ियां नहीं तलाशनी पड़ती।
- ✓ बुजुर्गों, बीमारों और छोटे बच्चों के लिये शौचालय होने से बहुत सुविधा है।
- ✓ खुले में शौच जाने से जंगली जानवरों, कीड़े-मकौड़ों और साप आदि का खतरा रहता।
- ✓ जिन देशों ने बड़े स्तर पर पानी से फैलने वाली बीमारियों पर रोक लगाई है, उनका सबसे बड़ा व प्रभावी कदम था - हर घर में शौचालय का निर्माण व उपयोग।

पंचायत यूं हो सकती है पुरस्कृत!

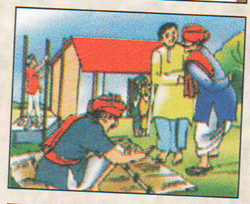

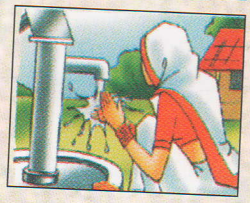

- प्रत्येक ग्रामवासी द्वारा शौचालय निर्माण, उसकी देखभाल और उसका उपयोग।
- पर्यावरण सुरक्षा तथा वृक्षारोपण।
- विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में शौचालय का निर्माण।
- छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय का निर्माण और सही प्रयोग।
- छोटे बच्चों के मल-मूत्र का सही तरीके से निष्पादन।
  घर के कूड़े-कचरे एवं गंदे पानी ठीक से निपटान।
- गांव की गलियों/नालियों की साफ सफाई तथा पशुओं के गोवर का उचित निपटान।
- प्राकृतिक जल स्त्रोतों की नियमित सफाई तथा रख-रखाव।
- प्रत्येक ग्रामवासी द्वारा स्वच्छ पेयजल एवं व्यक्तिगत साफ सफाई पर ध्यान। खुले में शौच पर पूर्ण विराम।

इन व्यवस्थाओं के उपरांत आपकी पंचायत भी पुरस्कार के लिए योग्य हो सकती है।

पुरस्कार राशि (पंचायतों के लिए)

(क) महार्षि वाल्मिकी राज्य स्वच्छता पुरस्कार योजना

✶ ब्लॉक स्तर पर प्रथम पंचायत	1 लाख रू.
✶ ज़िला स्तर पर प्रथम पंचायत	3 लाख रू.
✶ मण्डलीय स्तर पर प्रथम पंचायत	5 लाख रू.
✶ प्रदेश स्तर पर प्रथम पंचायत	10 लाख रू.

ख) स्कूल स्वच्छता पुरस्कार योजना :-

1) स्वच्छ प्राथमिक स्कूल :-

i जि़ला स्तर पर 50,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

ii ब्लाक स्तर पर प्रथम 20,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

iii ब्लाक स्तर पर द्वितीय 10,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

2) स्वच्छ माध्यमिक स्कूल :-

i जि़ला स्तर पर 50,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

ii ब्लाक स्तर पर प्रथम 20,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

iii ब्लाक स्तर पर द्वितीय 10,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

3) स्वच्छ उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल :-

i जि़ला स्तर पर प्रथम 50,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

ii ब्लाक स्तर पर प्रथम 20,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

iii ब्लाक स्तर पर द्वितीय 10,000/- रूपये की धनराशि व प्रशंसा पत्र।

ग) महिला मण्डल प्रोत्साहन योजना (प्रतियोगिता के आधार पर)

1.	खण्ड स्तर पर प्रथम महिला मण्डल	:-	30,000/- रूपये।
2.	खण्ड स्तर पर द्वितीय महिला मण्डल	:-	25,000/- रूपये।
3.	खण्ड स्तर पर तृतीय महिला मण्डल	:-	20,000/- रूपये।
4.	खण्ड स्तर पर चतुर्थ महिला मण्डल	:-	15,000/- रूपये।
5.	खण्ड स्तर पर पांचवा महिला मण्डल	:-	12,000/- रूपये।
6.	खण्ड स्तर पर छठा महिला मण्डल	:-	10,000/- रूपये।

इसके अतिरिक्त 8000/- रूपये की प्रोत्साहन राशि (विकास खण्ड में पंचायतों के आधार पर) 03 से 11 महिला मण्डलों को प्रदान की जाती है।

पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका :-

हमीरपुर जि़ला में इस अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए जि़ला परिषद् तथा पंचायत समितियों का मार्ग दर्शन तथा सहयोग प्राप्त किया जा रहा है व पंचायत तथा वार्ड स्तर पर कमेटियों का गठन किया जा चुका है।

पंचायती राज संस्थाओं की इस अभियान को सफल बनाने की एक अहम् जिम्मेदारी है, पंचायत निम्न प्रकार से अपनी भूमिका निभा सकती है :-

- आम नागरिकों को इस अभियान की जानकारी देना।
- महिला मण्डल/युवक मण्डल, स्वयं सहायता समूह तथा अन्य संस्थाओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त करना।

- शौचालय निर्माण पश्चात् स्वच्छ शौचालय के इस्तेमाल की जागरूकता पैदा करना।
- बाजारों के आस-पास व्यापार मण्डल के सहयोग से सफाई व्यवस्था बनाये रखना।
- सामुदायिक शौचालयों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करना।
- पंचायत स्तर पर विभागीय कर्मचारियों की इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करना।
- पंचायत व वार्ड स्तर पर गठित कमेटियों की नियमित बैठकें करना तथा अभियान की समीक्षा कर इसे सफल बनाने का प्रयत्न करना।

सुनिश्चित करना कि कार्यक्रम सुचारू व सुनियोजित रूप से चले तथा अभियान की निरन्तरता बरकरार करके सामाजिक बदलाव सम्भव हो।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण हमारे समाज की स्वच्छता से जुड़ी मूलभूत समस्याओं को उजागर करेगा तथा समाज के सभी वर्गों के सक्रिय सहयोग द्वारा स्वच्छ गांव का लक्ष्य प्राप्त करेगा। आओ हम सब मिलकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए क्षमतानुसार सहयोग दें ताकि निर्धारित समय अवधि में हमीरपुर ज़िला को सम्पूर्ण स्वच्छ तथा स्वस्थ बनाया जा सके।

आपसे अपेक्षा

घरों में शौचालय का निर्माण करें तथा अपने आस-पास के लोगों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें।

गांव/वार्ड में पंचायत, महिला मंडल व युवक मंडल के साथ मिलकर इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए एच.पी.वी.एच.ए., खण्ड विकास कार्यालय और ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण को पूरा सहयोग देना।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :-

ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण तथा खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में।